सं. म्रो. वि. एपडी/66-87/27241.—चूंकि हरियाणा के राज्यशाल को राय है कि मैं० सिक्तन्दस लि.०, 61, न्यू इण्डस्ट्रीयल टाउनिशिप, फरीदाबाद के श्रमिक श्री रमेश कुमार श्राप्रेटर, मार्फत श्री के. एल. शर्मा, उप-प्रधान, हरियाणा इन्टक, जी-15 ग्रोल्ड प्रैस कालोनी, फरीदाबाद तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इमलिए, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) हे इन्छ (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रिधीन गठित श्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्त्रकों तथा श्रीमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मापता है न्याप्रतिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं।

क्या श्री रमेश कुमार <mark>ब्राप्रेटर</mark> की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठोक है? यदि नहीं, तो वह किस <mark>राहत</mark> का हकदार है?

स. ग्रो. वि. एपडी/117-87/27248.—-च्ंकि हरियाणा के राज्यताल की राये हैं कि मैं > (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) जनरल मैंनेजर, हरियाणा राज्य परिवहन, फरीदाबाद के श्रीमक श्री मान सिंह, पुत्र श्री सिरी राम मार्फन भीम सिंह यादव, सी/46-ए, एन. ग्राई. टी., फरीदाबाद, तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है ।

ग्रौर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसिलये, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यशल इस के द्वारा उना ग्रिविन्यम की धारा 7-क के ग्रिधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रवन्धक तथा श्रमिकों के बीर्ष्व या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद में मुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायिनर्गय एवं ंचाट 3 मास में देने हेत् निदिष्ट करते हैं .—

क्या श्री मान सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक हैं ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो.वि. एफ,डों. 116-87/27256.—चूंकि हरियाणा के राज्यशत को राय है कि मैं. (1) परिवहन श्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) जनरल मैंनेजर, हरियाणा राज्य परिवहन, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री श्रोमवेद सुपृत्न श्री धनी राम मार्फत भीम सिह यादव, 1-सी/46, ए. एन. ग्राई. टो., फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कीई श्रीद्योगिक विवाद है, श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उधधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई ग्रक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधोन गठित ग्रौद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदावाद को नोचे, विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला हैं ग्रथव विवाद में सुसंगत या सम्बन्धित मामला है त्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मरम में देने हेंगु निर्दिष्ट करते हैं '--

क्या श्री ग्रोमवेद की सेवाग्रों का ममापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किम राहत का हकदार है?

सं. ग्रो. वि. एफ. डी. रि1098-7 27264. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ऽ (1) परिवहन श्रायुक्त, हरियाणा, वण्डीगढ़, (2) जनरल मैंनेजर, हरियाणा राज्य परिवहन, फरीदाबाद, के श्रामिक श्री राजपाल, पुत्र श्री मूजवन्द मार्फन श्री भीम सिंह यादव 1-सी/46, ए.एन.श्रार्टिटी, फरोदाबाद, तथा प्रवस्त्रकों के मध्य इपमें इनके बाद विश्वित मानने के सम्बन्ध में कोई श्रीग्रोगिक विजाद है, ग्रोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेन, निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इमलिए, स्रव, स्रौद्योगिक विवाद स्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प्र) द्वारा प्रदान की गई सक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके झारा उक्त स्रधिनियम की धारा 7-क के स्रधीन गठित स्रोद्योगिक स्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला हैं न्यायनिर्णय एव पचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राजपाल की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

.संग्रो. वि. एफ. डी./110-87/27272.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1) परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2)जनरल मैनेजर, हरियाणा राज्य परिवहन, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जीत राम, पुत्र श्री टिक्का राम, बरखण्डी मोहल्ला, हथीन गेट, पलवल (फरीदाबाद) तथा प्रवन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौदोगिक विवाद है, ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, भ्रब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामलाहैं श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री जीत राम की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. ग्रो. वि. एफ.डी./108-87/27280.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1)परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2)जनरल मैंनेजर, हरियाणा रोड़वेज, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री ईश्वर सिंह, पुत्र श्री छंगा राम, मार्फत श्री भीम सिंह यादव, इन्टक यूनियन ग्राफिस 1-सी/46 एन.ग्राई.टी., फरीदाबाद, तथा प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है, ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई भाक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधि-कर्ण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच यातो विवादग्रस्त मामला हैं श्रथवा विवाद से मुसंगत या मम्बन्धित मामजा हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

> क्या श्री ईश्वर सिंह की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 15 जुलाई, 1987

सं. भ्रो. वि. रोह/26-87/28330.—चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1) परिवहन भ्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़,(2)महा प्रवन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, रोहतक, के श्रमिक श्री नफे सिंह, पृत्न श्री ज्ंग लाल गांव कन्नोह तह. व जि. हिसार तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है, ग्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गईं शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 9641-1-श्रम 78/3273, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पिठत सरकारी ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सन्सिस सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्विष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित है।

क्या श्री नफे सिंह, टिकट वेरिफाईर की सेवा समाप्ति/छांटी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. थ्रो. वि. भिवानी 74-87 28337. — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राथ है कि मैं. (1) परिवहन आयुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रवन्धक, हरियाणा राज्य परिवहन, भिवानी, के श्रीमक श्री राम चन्द्र मार्फत श्री श्री किशन शर्मा, एडवोकेट, भिवानी, तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है, श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10की उपघारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं. 9641-1-श्रम 78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित हैं:—

क्या श्री रामचन्द्र कण्डक्टर की सेवा समाप्ति न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं ग्रो वि भिवानी/73-87/28345.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. (1)परिवहन ग्रायुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़ (2)महा प्रवन्धक हरियाणा, राज्य परिवहन, भिवानी, के श्रमिक श्री तारा चन्द, पुत्र श्री गोपी राम, गांव वापोड़ा तह॰ व जिला भिवानी, तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है, ग्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हत् निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई क्रक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करने हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित है:—

क्या श्री तारा चन्द हैन्पर की मेवा समाप्ति/छांटी न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 16 जुलाई, 1987

सं. भ्रो. वि. रोह/95-87/28438.—चृंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. भारत उद्योग कसार, नजदीक एस.पी.एल. बहादुरगढ़ (रोहतक), के श्रमिक श्री नत्थुखान मार्फत एच.एन.जी. मजदूर यूनियन, बस स्टैण्ड, बहादुरगढ़ तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है, श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्याय निर्णय हेन् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्ड गिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी ग्रिधिसूचना की धारा 7 के ग्रेधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रस्त या उसमें सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेत् निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धको नथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद में सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित है:---

क्या श्री नत्थु खान की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो यह किस राहत का हकदार है ?

सं.श्रो. वि. हिसार/ 83-87/28440.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. (1) उप कुलपति, हरियाणा कृषि विश्व-विद्यालय, हिसार, (2) रिसर्च कोडीनंटर एण्ड मैनेजर, ICR!SAT, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, के श्रमिक श्री श्रमर सिंह, बेलदार पुत्र श्री राम सिंह, गांव मातरणाम, डा. शाहपुर, जिला हिसार तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले में, कोई श्रीद्योगिक विवाद है, श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, ग्रव, ग्रीद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुयं हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना गं. 9641-1-श्रम-78/32573, दिनंक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी ग्रधिसूचना की धारा 7 के ग्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक को विवादग्रम्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा गामला न्यायनिर्णय एवं पंचार तीच मास में देने हेतु निर्दिश्त करते हैं जो कि उक्त प्रयन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रम्त गामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित है:—

भया श्री ग्रमर सिंह बेलदार की सेवा समाप्ति/छांटी न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?